प्रसिद्ध कलाकारों ने दी अपनी कला से दादी को जन्मोत्सव की बधाई

अभिजीत भट्टाचार्य

साधना सरगम

हरीश मोयल

अलबर्ट असादुल्लीन, रशिया

फिल्म अभिनेत्री ग्रेसी सिंह

भरतनाट्यम डांसर डॉ. पद्मजा वेंकटेश

डिवाईन लाइट ग्रुप,रशिया के कलाकार

जन्मदिन पर जन अम्बार...पेज 1 का शेष

लगता है दादी की दुआओं से कि भगवान यहीं है

दादी जानकी एक महान मानवीय व्यक्तित्व हैं। उनके नेतृत्व में चल रही संस्था सबसे महान प्रेम की भाषा सिखाती है। सौ वर्ष की उम्र में भी जब दादी जानकी सलाह और दुआयें देती हैं तो महसूस होता है कि जिस भगवान को हम देख नहीं पाते वह मधुबन में बसता है। उन्होंने कहा कि इस संस्था से ग्रहण किए गए संदेश से उनके जीवन में अद्‌भुत परिवर्तत आया है। और ईश्वर के सत्य को समझने की क्षमता विकसित हुई है। **– पद्मश्री डॉ. जी. भक्तवत्सलम, चेयरमैन,के.जी.हॉस्पिटल, कोयम्बटूर।**

ब्रह्माकुमारीज़ ने छुड़ाये सारे व्यसन

ये मेरे लिए बहुत ही सुनहरा अवसर है कि मुझे यहाँ दादी जानकी के इस भव्य जन्म महोत्सव में भाग लेने का मौका मिला, सिर्फ मेरे लिए ही नहीं बल्कि सबके लिए यह एक सुनहरा अवसर है। मैं परमात्मा शिव को ये अवसर प्रदान करने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूँ। ब्रह्माकुमारीज़ से जुड़ने के बाद मेरे सारे व्यसन, सारी बुरी आदतें छूट गईं, मांसाहारी भोजन पूरी तरह से छूट गया और मैंने परमात्मा के आशीर्वाद के साथ एक नई कम्पनी शुरु की। शिव बाबा की ब्लेसिंग से मैं उस कम्पनी के कार्यों में सफल रहा। दादी जानकी शिवबाबा की रीप्रेज़ेन्टेटिव हैं, उन्होंने पूरे विश्व में इतनी महान सेवा की है जो अतुलनीय है।

- जी.वी.आर.एस.अंजनेयुलू, चेयरमैन,शिवशक्ति ग्रुप, हैदराबाद।

शांति की संदेश वाहक दादी

राजयोगिनी दादी जानकी द्वारा सौ वर्ष का स्वस्थ एवं सक्रिय जीवन बिताना निःसंदेह अद्‌भुत एवं प्रेरणादायी है। जिस शांति की दादी संदेश वाहक हैं वह हमारे जीवन में तभी आ सकती है जब हम दूसरों में दोष ढूंढ़ना बंद कर देंगे। **– स्वामी सुपर्णानंद महाराज,सेक्रेट्री,रामकृष्ण मिशन इंस्टीट्यूट, कोलकाता।**

शांतिवन। राजस्थान पत्रिका के मुख्य संपादक गुलाब कोठारी का अभिवादन करते हुए ब्र.कु. निर्वैर,जेनरल सेक्रेट्री,ब्रह्माकुमारीज़।

शांतिवन। नेपाल के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. राम बरण यादव को नेपाली भाषा में शिवरात्रि विशेषांक 'शिव अवतरण' देते हुए ब्र.कु. दिलीप व ब्र.कु. दीपक हरके। साथ हैं फिल्म अभिनेत्री वर्षा उसगांवकर, ब्र.कु. किरण, ब्र.कु. संजय, ब्र.कु. ओम व अन्य।

शांतिवन। ओमशान्ति मीडिया ऑफिस में मुलाकात के पश्चात् बॉडी बिल्डर मिस्टर वर्ल्ड 2013 सुहास खामकर को कैलेण्डर भेंट करते हुए ब्र.कु. गंगाधर, ब्र.कु. दीपक हरके, ब्र.कु. संगीता व अन्य।

ओम शांति के मंत्र से दादी करती सेवा

जीवन में ज्ञान का बहुत महत्व है, यह ज्ञान मिलने से जीवन के सारे दुःख दूर हो जाते हैं। ब्रह्माकुमारीज़ का हर गांव-गांव तक में भी स्थान है जहाँ जाकर, जिसकी अनुभूति करके बहुत ही आनंद आता है और जिस प्रकार से वे लोगों में परिवर्तन ला रही हैं वो ईश्वरीय सेवा है और बहुत सुंदर सेवा है। मानव सेवा ही परमपिता शिव की सेवा है। ब्रह्माकुमारी बहनें सभी को शांति, प्रेम, हृदय को स्वच्छ और निर्मल बनाने का संदेश देती हैं। मुझे यहाँ एक संदेश मिला है कि खुश रहो और सबको खुश रखो और यही मेरे जीवन का मूल मंत्र बन गया है।

– हरिप्रसाद कनोरिया,चेयरमैन,एस.आर.ई.आई.फाउण्डेशन एंड चेयरमैन,बिज़नेस इकोनॉमिक्स,कोलकाता।

यह संस्था नहीं बल्कि एक परिवार है

ब्रह्माकुमार बनने से पहले मैं व्यसनी और नास्तिक था, लेकिन जैसे ही मुझे दादी जानकी की दृष्टि मिली, एक बहुत ही पॉवरफुल दृष्टि, इतना स्नेह कि मैं एक ही झटके से इस ईश्वरीय विश्व विद्यालय का विद्यार्थी बन गया। ये परमात्मा का ही कार्य है जो ये ईश्वरीय विश्वविद्यालय इतनी सुंदर रीति से आगे बढ़ रहा है। दादी जानकी कहती हैं कि ये एक संस्था नहीं बल्कि ये एक परिवार है जो सिर्फ बाबा के प्यार से ही चल, बढ़ रहा है। मैं भी यह महसूस करता हूँ कि ये एक परिवार है जो बहुत प्यार से चलता है। इस परिवार के माध्यम से ही हमने परमात्मा, इस परिवार के सदस्य और साथ-साथ भारत के इतिहास, इसकी संस्कृति, इसकी महानता के बारे में जाना है और कई विदेशियों की भारत के प्रति जो गलत सोच थी वो बदली है। मैं गर्व महसूस करता हूँ कि मैं यहाँ भारत में आया हूँ, मैं यहाँ हूँ, मुझे भारत से बहुत प्यार है। **– रॉबिन रामसे,फिल्म आर्टिस्ट,सिडनी, ऑस्ट्रेलिया**